किरपा का एक दीप जला दो | By Vikas Gupta

दीनानाथ जीवन मेरा कट रहा अँधियारो में
किरपा का एक दीप जला दो मेरे गलियारों में

रो रो कर दिन रात गुज़ारू चैन की ना सांस है
अपना कहने वाला बाबा दु:ख में ना पास है
पतझड़ देख रखा हूँ बैठा मौसम बहारो में
किरपा का एक दीप जला दो मेरे गलियारों में

शरण में आया खाटूवाले सब कुछ हार के
दीन दयालु अब तो इस हारे को भी तार दे
नाम लिखा हुआ है मेरा दीन दुखियारों में
किरपा का एक दीप जला दो मेरे गलियारों में

शीश के दानी श्याम प्रभु तुम ही तो कहलाते हो
आकर मेरे जीवन से क्यों कष्ट ना मिटाते हो
मोरछड़ी का झाड़ा देदो नाव फसी मझधारो में
किरपा का एक दीप जला दो मेरे गलियारों में

रूबी रिधम की आस बाबा अब तुम ना तोडना
खाली हाथ दर से मुझको वापस ना मोड़ना
सेवादार तेरे होकर खड़े हैं गम के मारो में
किरपा का एक दीप जला दो मेरे गलियारों में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%aa%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%aa-%e0%a4%9c%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-by-vikas-gupta/